- सामान्यतः इसे **जेनेवा प्रोटोकॉल** के रूप में जाना जाता है। इसे प्रथम विश्व युद्ध के बाद रासायनिक युद्ध की भयावहता पर सार्वजनिक आक्रोश के कारण और इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए हस्ताक्षरित किया गया था।
- हालांकि, यह प्रोटोकॉल रासायनिक हथियारों के विकास, उत्पादन या भंडारण को प्रतिबंधित नहीं करता है।
- यह केवल युद्ध में रासायनिक और जैविक हथियारों के उपयोग पर प्रतिबंध आरोपित करता है।

2.4. आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (Supply Chain Resilience Initiative: SCRI)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (SCRI) की शुरुआत की है।

SCRI क्या है?

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ता/लचीलापन एक **ऐसा दृष्टिकोण है जो किसी देश को सिर्फ एक या कुछ पर निर्भर** होने के बजाय **आपूर्ति करने वाले राष्ट्रों के समूह के माध्यम से अपने आपूर्ति जोखिम में विविधता प्राप्त करने में सहायता करता है।**
- SCRI को प्रारम्भ में जापान द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में अंततः मजबूत, स्थायी, संतुलित और समावेशी विकास को प्राप्त करने की दृष्टि से आपूर्ति श्रृंखला को प्रोत्साहित करने हेतु एक सुचक्र का निर्माण करना है।
- **यह ध्यान केंद्रित करेगा:**
  - आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन के संबंध में **सर्वोत्तम तरीकों के साझाकरण पर,** तथा
  - हितधारकों को **उनकी आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण की संभावना का पता लगाने** और इससे संबंधित अवसर प्रदान करने हेतु आवश्यक गतिविधियों के संचालन पर ध्यान केंद्रित करने पर।
- साथ ही, इसके अंतर्गत इन तीनों देशों ने **डिजिटल प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देने** और **व्यापार एवं निवेश के विविधीकरण के संबंध** में भी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

SCRI की आवश्यकता

- **किसी देश पर अति निर्भरता को कम करना:** जब उत्पाद निर्माण की प्रणाली/प्रक्रिया किसी एक देश से होने वाली आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर हो जाती है, तो देश को अपनी अति निर्भरता को कम करने हेतु प्रयास करना चाहिए। इसके अतिरिक्त यदि स्रोत देश द्वारा अनैच्छिक रूप से या आर्थिक दबावों/नियंत्रण उपायों के कारण आपूर्ति बंद कर दी जाती है तो ऐसी स्थिति में आयात करने वाले देश को कुछ परिस्थितियों में अशक्तता/लाचारी का अनुभव करना पड़ सकता है।
- **भविष्य के व्यवधानों से मुक्ति हेतु:** एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला, व्यवधान की स्थिति से निपटने में तथा ऐसी स्थिति में शीघ्रता से रिकवरी करने में सक्षम होती है। हालांकि, इस लचीली आपूर्ति श्रृंखला में अनुक्रिया एवं रिकवरी की प्रक्रिया को मूल स्थिति में वापस जाकर या ग्राहक सेवा, बाज़ार हिस्सेदारी और वित्तीय प्रदर्शन को बेहतर बनाने हेतु एक नए एवं अधिक वांछनीय स्थिति को प्राप्त कर सुनिश्चित किया जा सकता है।
- **कोविड-19 प्रभाव:** कोविड-19 महामारी ने कई पारंपरिक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमज़ोरियों/खामियों को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया है। साथ ही, लॉकडाउन की स्थिति के चलते तथा विभिन्न स्थानों पर उत्पादन के अवरुद्ध होने से आगतों और अंतिम उत्पादों के वैश्विक वितरण बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।
- **वैश्विक व्यापार में तनाव की स्थिति:** चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित तथा आर्थिक राष्ट्रवाद को प्रोत्साहित किया है। उदाहरण के लिए- ऑस्ट्रेलिया में, दोनों देशों के बीच बिगड़ते संबंधों के बीच चीन द्वारा गोमांस, जौ जैसे खाद्य पदार्थों के निर्यात को लक्षित किया गया था।
- **चीन को व्यापारिक स्तर पर अलग-थलग करना:** सामरिक आपूर्ति श्रृंखला जैसे अर्धचालक, फार्मास्यूटिकल्स आदि चीनी वस्तुओं के व्यापार को सीमित करके और उन्हें अन्य देशों के साथ पुनर्स्थापित करके चीन को व्यापारिक स्तर पर अलग-थलग किया जा सकता है। इस प्रकार SCRI के सदस्य **एक व्यापक सामरिक अर्थों** में चीन से अलग होने की अपेक्षा कर सकते हैं।
- **भू-राजनीति:** इसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में **आक्रामक चीन का सामना करने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के गठबंधन को विकसित** करने के संगठित प्रयास के रूप में भी देखा जाता है।

SCRI के समक्ष चुनौतियां

- **भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया** प्राथमिक वस्तुओं के लिए **चीनी निर्यात पर अत्यधिक निर्भर हैं। आर्थिक दक्षता के सिद्धांतों पर दशकों से, वर्तमान आपूर्ति श्रृंखलाओं को संचालित** किया गया है, अर्थात् दशकों से आर्थिक दक्षता के सिद्धांत, मौजूदा आपूर्ति श्रृंखला के आधार रहे हैं। इसलिए, चीन से पृथक होकर आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन कर पाना अत्यंत चुनौतीपूर्ण/कठिन होगा।